BYJU'S EXAM PREP

Daily Current Affairs
19 May 2022

byjusexamprep.com

Table of Content

1. ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक
2. राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के राहत आयुक्तों और आपदा प्रबंधन विभागों के सचिवों का वार्षिक सम्मेलन
3. राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा महिलाओं से संबंधित मुद्दों पर कार्यशाला का आयोजन
4. कान फिल्म महोत्सव में भारतीय मंडप का उद्घाटन
5. माई गव कर्नाटक पोर्टल का शुभारंभ
6. अरुणाचल प्रदेश की सेला सुरंग परियोजना
7. श्री स्वामीनारायण मंदिर द्वारा 'युवा शिविर' का आयोजन
8. भारतीय नौसेना का P8I विमान

International News

1. ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक

चर्चा में क्यों:

- 14वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की तैयारी हेतु ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक चीन में आयोजित की गयी है।

प्रमुख बिंदु:

- चीन में आयोजित ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक का आयोजन वर्चुअल रूप में किया गया है जिसकी मेजबानी चीन के विदेश मंत्री वांग यी द्वारा की गयी है।
- ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक का विषय 'वैश्विक विकास के लिए एक नए युग में उच्च गुणवत्ता वाली ब्रिक्स साझेदारी को बढ़ावा देना' है।
- ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक में भारत की ओर से भारत के विदेश मंत्री डॉक्टर सुब्रह्मण्यम जयशंकर, दक्षिण अफ्रीका के अंतर्राष्ट्रीय संबंध और सहयोग मंत्री नलेदी पंडोर, ब्राजील के विदेश मंत्री कार्लोस अल्बर्टो फ्रेंको फ्रांसा और रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव शामिल हुए।

सम्बंधित तथ्य

ब्रिक्स समूह क्या है?

- सर्वप्रथम ब्रिक्स समूह का विचार प्रमुख अर्थशास्त्री जिम ओ' नील द्वारा प्रस्तुत किया गया था।
- ब्रिक्स दुनिया की पाँच अग्रणी उभरती अर्थव्यवस्थाओं- ब्राज़ील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका का एक समूह है जिसका पहला शिखर सम्मेलन वर्ष 2009 में रूस के येकतेरिनबर्ग में आयोजित किया गया था।

स्रोत: न्यूज़ ऑन एयर

Important News: India

2. राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के राहत आयुक्तों और आपदा प्रबंधन विभागों के सचिवों का वार्षिक सम्मेलन

चर्चा में क्यों:

- केन्द्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला द्वारा राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के राहत आयुक्तों और आपदा प्रबंधन विभागों के सचिवों के वार्षिक सम्मेलन का उद्घाटन किया गया।

प्रमुख बिंदु:

- राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के राहत आयुक्तों और आपदा प्रबंधन विभागों के सचिवों के वार्षिक सम्मेलन दो दिवसीय सम्मेलन है जिसका आयोजन नई दिल्ली में किया गया।
- सम्मेलन का प्रमुख उद्देश्य दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के दौरान राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की प्राकृतिक आपदाओं से निपटने की तैयारी की समीक्षा करना है।
- कोविड-19 महामारी के कारण दो वर्ष के अंतराल के बाद पहली बार वार्षिक सम्मेलन का आयोजन भौतिक रूप में नई दिल्ली में किया गया है।
- सम्मेलन का मुख्य लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है की प्रत्येक राज्य किस प्रकार से आपदाओं से राहत हेतु लम्बी अवधि के लिए बुनियादी ढांचे का विकास कर सकते है।

स्रोत: आकाशवाणी

3. राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा महिलाओं से संबंधित मुद्दों पर कार्यशाला का आयोजन

चर्चा में क्यों:

- राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा नई दिल्ली में महिलाओं से संबंधित मुद्दों और मीडिया में महिलाओं को प्रदर्शित किए जाने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया।

प्रमुख बिंदु:

- राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा आयोजित कार्यशाला को तीन तकनीकी सत्रों में विभाजित किया गया था जिसमे-
  1. 'मीडिया संचालन और सामग्री में मीडिया के लिए लिंग-संवेदनशील संकेतक',
  2. 'महिला मीडिया पेशेवरों द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियां'
  3. महिलाओं के सशक्तिकरण में मीडिया की भूमिका', शामिल कियाा गया है।
- कार्यशाला का उद्देश्य मीडिया हितधारकों को महिलाओं से संबंधित समस्याओं के समाधान तथा महिला सशक्तिकरण एवं नेतृत्व की कहानियों के लिए और अधिक मंच प्रदान करना है।
- कार्यशाला का लक्ष्य महिलाओं के अधिकारों के बारे में जनता को सूचित करना और इस तरह के अधिकारों का उल्लंघन होने की स्थिति में उनके उपलब्ध साधनों के बारे में जानकारी देना शामिल है।

सम्बंधित तथ्य

राष्ट्रीय महिला आयोग

- राष्ट्रीय महिला आयोग की स्थापना, राष्ट्रीय महिला आयोग अधिनियम, 1990 के तहत जनवरी 1992 में एक वैधानिक निकाय के रूप में की गई थी।
- राष्ट्रीय महिला आयोग का गठन 31 जनवरी 1992 को 'जयंती पटनायक' की अध्यक्षता में किया गया था।
- राष्ट्रीय महिला आयोग की संरचना के रूप में एक अध्यक्ष, एक सदस्य सचिव और पांच अन्य सदस्य शामिल होते हैं।

स्रोत: पीआईबी

4 कान फिल्म महोत्सव में भारतीय मंडप का उद्घाटन

चर्चा में क्यों:

- सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर द्वारा कान फिल्म महोत्सव में भारतीय मंडप का उद्घाटन किया गया है।

प्रमुख बिंदु:

- भारतीय मंडप के उद्घाटन के साथ साथ केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर द्वारा गोवा में आयोजित होने वाले भारत के 53वें अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के पोस्टर का भी अनावरण किया गया है।

- कान फिल्म महोत्सव के साथ साथ आयोजित मार्शे डू फिल्मोत्सव में भारत को सम्मानित देश का दर्जा दिया गया है।
- भारत में विदेशी फिल्मों के निर्माण और शूटिंग के लिए 260 हजार डॉलर की सीमा के साथ 30 प्रतिशत तक नकद सहायता की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी।
- कान फिल्म महोत्सव में भारतीय मंडप का उद्घाटन करते समय घोसना की गयी की भारत में बनाई जाने वाली विदेशी फिल्मों के लिए 15% या अधिक भारतीय व्यक्तियों को काम पर रखने के लिए 65 हजार डॉलर की सीमा के साथ एक अतिरिक्त बोनस प्रदान किया जाएगा।

सम्बंधित तथ्य

भारत का अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव क्या है?

- भारत के अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव की शुरुआत वर्ष 1952 में मुंबई में की गयी थी।
- वर्ष 2004 में अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव का आयोजन गोवा में किया गया था तब से अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव का आयोजन प्रत्येक वर्ष गोवा में आयोजित किया जाता है।

स्रोत: पीआईबी

Important News: State

5 माई गव कर्नाटक पोर्टल का शुभारंभ

चर्चा में क्यों:

- कर्नाटक के मुख्यमंत्री श्री बसवराज बोम्मई द्वारा कर्नाटक राज्य में सहभागी प्रशासन को बढ़ावा देने के लिए माई गव कर्नाटक पोर्टल का शुभारंभ किया गया है।

प्रमुख बिंदु:

- माईगव कर्नाटक पोर्टल को अपनाने के पश्चात कर्नाटक माईगव पहल को अपनाने वाला भारत का 17वां राज्य बन गया है।
- नागरिकों से सीधे संपर्क करने के क्रम में माई गव दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे सफल कार्यक्रम है।
- माई गव पोर्टल पर पंजीकरण के पश्चात राज्य के नागरिक सरकार के साथ अपने विचार और सुझाव को साझा कर सकते है।

- माई गव कर्नाटक का उद्देश्य प्रशासन और नीति निर्माण में सक्रिय नागरिक भागीदारी और जुड़ाव को बढ़ावा देने के साथ साथ सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के बारे में समय पर और प्रामाणिक जानकारी का प्रसार करने पर ध्यान केंद्रित करना है।

सम्बंधित तथ्य

My Gov (माई गव) पोर्टल क्या है?

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 26 जुलाई 2014 को My Gov (माई गव) पोर्टल की शुरुआत की गई थी।
- माई गव पोर्टल का उददेहस्य आम जनमानस की योजनाओं में भागीदारी सुनिश्चित करने, उनके सुझावों के आधार पर शासन की योजनाओं को मूर्त रूप देना है।

स्रोत: पीआईबी

6 अरुणाचल प्रदेश की सेला सुरंग परियोजना

चर्चा में क्यों:

- अरुणाचल प्रदेश में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सेला सुरंग परियोजना का निर्माण किया गया है।

प्रमुख बिंदु:

- अरुणाचल प्रदेश के पश्चिम कामेंग जिले में स्थित, सुरंग परियोजना सेला दर्रे को एक वैकल्पिक धुरी प्रदान करता है,
- अरुणाचल प्रदेश की सेला सुरंग परियोजना 13,700 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। तथा इसकी लम्बाई 300 किमी से अधिक है।
- सेला सुरंग का निर्माण सीमा सड़क संगठन द्वारा किया जा रहा है इस परियोजना में दो सुरंगें और एक लिंक रोड शामिल है।
- नव निर्मानित सुरंगों के बीच संपर्क सड़क दूरी 1,200 मीटर होगी जिसमे सुरंग 2 सबसे लंबी सुरंगों में से एक है जिसका निर्माण 13,000 फीट से अधिक की ऊंचाई पर किया गया है।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

Important News: Art & Culture

7 श्री स्वामीनारायण मंदिर द्वारा 'युवा शिविर' का आयोजन

चर्चा में क्यों:

- अधिक से अधिक युवाओं को समाज सेवा और राष्ट्र निर्माण में शामिल करने के उद्देश्य से श्री स्वामीनारायण मंदिर द्वारा 'युवा शिविर' का आयोजन किया गया।

प्रमुख बिंदु:

- 'युवा शिविर' का आयोजन श्री स्वामीनारायण मंदिर, कुंडलधाम और श्री स्वामीनारायण मंदिर करेलीबाग, वडोदरा द्वारा संयुक्त रूप से किया गया है।
- 'युवा शिविर' का आयोजन गुजरात के वडोदरा में किया गया है तथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 'युवा शिविर' को वर्चुअल रूप से संबोधित किया गया है।
- 'युवा शिविर' का लक्ष्य एक भारत, श्रेष्ठ भारत', 'आत्मानिर्भर भारत', 'स्वच्छ भारत' आदि जैसी पहल के माध्यम से युवाओं को एक नए भारत के निर्माण में भागीदार बनाना है।

सम्बंधित तथ्य

श्री स्वामीनारायण

- स्वामीनारायण का जन्म 1781 में उत्तर प्रदेश के छपिया में हुआ था। 1792 में, उन्होंने नीलकंठ वर्णी नाम को अपनाते हुए, 11 वर्ष की आयु में भारत भर में सात साल की तीर्थ यात्रा शुरू की।
- 1800 में, स्वामीनारायण को अपने गुरु स्वामी रामानंद द्वारा उद्धव संप्रदाय में शामिल किया गया और उन्हें साहजनंद स्वामी का नाम दिया गया।
- 1802 में स्वामीनारायण जी को उद्धव संप्रदाय का नेतृत्व सौंप दिया गया।
- सहजनंद स्वामी ने एक सभा आयोजित की और स्वामीनारायण मंत्र को पढ़ाया। इस बिंदु से, वह स्वामीनारायण के रूप में जाने जाते हैं तथा उद्धव संप्रदाय को स्वामीनारायण संप्रदाय के रूप में जाना जाता है।

स्रोत: पीआईबी

Important News: Defence

8 भारतीय नौसेना का P8I विमान

चर्चा में क्यों:

- भारतीय रक्षामंत्री श्री राजनाथ सिंह ने अपने मुंबई दौरे के दौरान भारतीय नौसेना पी8I लंबी दूरी की समुद्री टोही पनडुब्बी रोधी युद्धक विमान पर एक उड़ान भरी, जिसमे भारतीय नौसेना द्वारा विभिन्न क्षमताओं का प्रदर्शन किया गया।

प्रमुख बिंदु:

- यात्रा के दौरान, भारतीय नौसेना द्वारा लंबी दूरी की निगरानी, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध, इमेजरी इंटेलिजेंस, एएसडब्ल्यू मिशन और अत्याधुनिक मिशन सूट और सेंसर को नियोजित करने वाली खोज और बचाव क्षमताओं का प्रदर्शन किया गया।
- पी8आई(P8I) विमानों को भारतीय सेनाओं में 2013 में शामिल किया गया था।
- P-8I विमान में अत्याधुनिक सेंसर जैसे मल्टी-मोड रडार, इलेक्ट्रॉनिक इंटेलिजेंस सिस्टम, सोनोबॉय, इलेक्ट्रो-ऑप्टिक, इंफ्रारेड कैमरा और उन्नत हथियार को शामिल किया गया है।.
- विरोधियों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए P-8I विमानों का इस्तेमाल अंतरराष्ट्रीय सीमा, नियंत्रण रेखा और वास्तविक नियंत्रण रेखा पर किया गया है।

स्रोत: पीआईबी